विद्यावाचस्पति(हिन्दी) प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम

वर्ष 2021

विभाग – 1 (50%)

➢ अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया

- अनुसंधान का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, महत्त्व एवं उद्देश्य
- अनुसंधान की विभिन्न पद्धतियाँ
- अनुसंधान के प्रकार – साहित्यिक अनुसंधान
  – तुलनात्मक अनुसंधान
  – क्षेत्रीय अनुसंधान
  – मनोवैज्ञानिक अनुसंधान
  – ऐतिहासिक अनुसंधान
  – शैली–वैज्ञानिक अनुसंधान
  – भाषा–वैज्ञानिक अनुसंधान
  – प्रयोगात्मक अनुसंधान
  – समाजशास्त्रीय अनुसंधान
  – क्रियात्मक अनुसंधान
- अनुसंधान के सोपान
- अनुसंधान की प्रक्रिया

- अनुसंधान, शोध और आलोचना
- हिन्दी अनुसंधान में सम्बन्ध–विषयों की भूमिका
- पाठालोचन के मुख्यसिद्धांत
- हिन्दी शोध–प्रबंध का प्रारूप

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं सौराष्ट्र विश्वविद्यालय के अधिनियमानुसार)

समालोचना

साहित्यिक समालोचना

- साहित्य: अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
- साहित्य का महत्त्व, उद्देश्य एवं प्रकार
- समालोचना : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
- समालोचना के प्रकार – साहित्यिक समालोचना
  – साक्षात्कार समालोचना
  – अवलोकनीय समालोचना
  – निर्णयात्मक समालोचना
  – सर्वेक्षणात्मक समालोचना
  – प्रश्नावली/मतावली सर्वेक्षण समालोचना
- साहित्यिक समालोचना – गद्य–कृतियों की समालोचना
  – पद्य–कृतियों की समालोचना
  – गद्य–पद्य कृतियों की समालोचना

- गद्य कृतियों की समालोचना – नाटक, उपन्यास, कहानी, निबंध,रेखाचित्र, संस्मरण की समालोचना (उदाहरणार्थ एक विधा की समालोचना निर्दिष्ट है ।)
- पद्य कृतियों की समालोचना – महाकाव्य, खण्डकाव्य,
  गीतिकाव्य, वीरकाव्य,
  स्फूटकाव्य आदि की
  समालोचना
- गद्य–पद्य कृतियों की समालोचना : चम्पू काव्य की समालोचना

पुस्तक समालोचना ८खः:ऋढचभ्–द्भ्९

- प्रस्तावना(कृतिकार की प्रतिष्ठा, रचना काल, वैचारिकताआदि का संक्षिप्त ब्यौरा)
- कृतिकार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- कृति की संक्षिप्त कथावस्तु
- कृति का रचना समय
- कृतिकार पर अन्य साहित्य–सर्जक एवं विचारकों का प्रभाव
- कृति में कृतिकार की वैचारिकता
- रचना की समकालीनता
- कृतिद्वाराकृतिकार का भाव–बोध
- कथा, पात्र, संवाद, वातावरण द्वारा समाज का संदेश
- कृति का निष्कर्ष–निष्पादन
- समापन

➢ **शोध–प्रबंध का स्वरूप**

शोध–प्रबंध प्रविधि

- शोध–प्रबंध का मुखपृष्ठ–स्वरूप एवं टंकण
- शोध–प्रबंध की प्रामाणिकता–प्रमाणपत्र
  – प्रारंभिक विद्यावाचस्पति मौखिकी प्रमाणपत्र
  – निर्देशक का घोषणापत्र
  – शोधार्थी का घोषणापत्र
  – निर्देशक एवं शोधार्थी का शोध–सत्यापन प्रमाणपत्र
- शोध–प्रबंध की प्रस्तावना
  – विषयचयन
  – विषयचयन की प्रेरणा
  – शोध–विषय का महत्त्व

– शोध–विषय की विशेषता
  – शोध–विषय की प्रासंगिकता
  – शोध–विषय की परिसीमा
  – पूर्ववर्ती शोध–कार्य
  – परवर्ती शोध–कार्य
  – सामग्री–संकलन
  – शोध–प्रबंध का अध्यायविभाजन
  – कृतज्ञताज्ञापन

- अनुक्रमणिका
- पृष्ठ–क्रमांक
- पृष्ठ–सज्जा
- शोध–पत्र प्रस्तुतिकरण
- संदर्भ सूची
- संदर्भ ग्रंथ सूची :
    - आधार–ग्रंथ
    - सहायक ग्रंथ
    - पत्र–पत्रिकाएँ
    - शब्दकोश
    - वेबसाईट
    - साक्षात्कार
    - चित्र–सज्जा–तस्वीर इत्यादि

➢ **Computer Application**

- A Brief History of Computers
- Invention, Evaluation & Types
- Computer system components and their functions
- The role of a computer service professional
- Basics of Electronics
- Operating System
- Basic Network Concepts
- Implementing and Maintaining Network
- Protocol Suites

PART – II (50%) (UGC NET Paper II Syllabus)

इकाई–१

हिन्दी भाषा और उसका विकास :

हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ– पालि, प्राकृत–शौरसेनी, अर्द्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ, अपभ्रंश अवहट्ठ, और पुरानी हिन्दी का संबंध, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण। हिन्दी का भौगोलिक विस्तार : हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी वर्ग और उनकी बोलियाँ। खड़ीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ। हिन्दी के विविध रूप : हिन्दी, उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी। हिन्दी का भाषिक स्वरूप : हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था–खंड्य और खंड्येतर, हिन्दी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार, हिन्दी शब्द रचना–उपसर्ग, प्रत्यय, समास, हिन्दी की रूप रचना–लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के सन्दर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, विश्लेषण और क्रिया रूप, हिन्दी–वाक्य–रचना। हिन्दी भाषा–प्रयोग के विविध रूप : बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा और सम्पर्क भाषा। संचार माध्यम और हिन्दी, कम्प्यूटर और हिन्दी, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति। देवनागरी लिपि : विशेषताएँ और मानकीकरण ।

इकाई–२

हिन्दी साहित्य का इतिहास

हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन :

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की पद्धतियाँ

हिन्दी साहित्य का कालविभाजन और नामकरण, आदिकाल की विशेषताएँ एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, रासो–साहित्य, आदिकालीन हिन्दी का जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली तथा लौकिक साहित्य ।

भक्तिकाल :

भक्ति–आंदोलन के उदय के सामाजिक–सांस्कृतिक कारण, भक्ति–आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्त:प्रादेशिक वैशिष्ट्य।

भक्ति काव्य की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आलवार सन्त। भक्ति काव्य के प्रमुख सम्प्रदाय और उनका वैचारिक आधार। निर्गुण–सगुण कवि और उनका काव्य।

रीतिकाल :

सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त) रीतिकवियों का आचार्यत्व।

रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य

आधुनिककाल :

हिन्दी गद्य का उद्‌भव और विकास। भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य, १८५७ की क्रान्ति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेन्दु और उनका युग, पत्रकारिता का आरम्भ और १९वीं शताब्दी की हिन्दी पत्रकारिता, आधुनिकता की अवधारणा।

द्विवेदी युग : महावीरप्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिन्दी नवजागरण और सरस्वती, राष्ट्रीय काव्य धारा के प्रमख कवि, स्वछन्दतावाद और उनके प्रमुख कवि।

छायावाद : छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, छायावाद के प्रमुख कवि, प्रगतिवाद की अवधारणा, प्रगतिवादी काव्य और उनके प्रमुख कवि, प्रयोगवाद और नई कविता, नई कविता के कवि, समकालीन कविता (मार्च २००० तक) समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता।

हिन्दी साहित्य का गद्य विधाएँ

हिन्दी उपन्यास : भारतीय उपन्यास की अवधारणा।
प्रेमचन्द पूर्व उपन्यास, प्रेमचन्द और उनका युग।
प्रेमचन्द के परवर्ती उपन्यासकार (वर्ष २००० तक)।

हिन्दी कहानी : हिन्दी कहानी का उद्‌भव और विकास, २०वीं सदी की कहानी और प्रमुख
कहानी आंदोलन एवं प्रमुख कहानीकार।

हिन्दी नाटक : हिन्दी नाटक और रंगमंच, विकास के चरण, भारतेन्दुयुग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग, स्वातंत्र्योत्तर युग, साठोत्तर युग और नया नाटक।
प्रमुख नाट्यकृतियाँ, प्रमुख नाटककार (वर्ष २००० तक)
हिन्दी एकांकी। हिन्दी रंगमंच और विकास के चरण, हिन्दी का लोक रंगमंच। नुक्कड़ नाटक ।

हिन्दी निबंध : हिन्दी निबन्ध का उद्‌भव और विकास, हिन्द निबंध के प्रकार और प्रमुख

निबंधकार।

हिन्दी आलोचना : हिन्दी आलोचना का उद्‌भव और विकास। समकालीन हिन्दी आलोचना एवं
उसके विविध प्रकार, प्रमुख आलोचक।

हिन्दी की अन्य गद्य विधाएँ : रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा साहित्य, आत्मकथा, जीवनी और रिपोर्ताज, डायरी।

हिन्दी का प्रवासी साहित्य : अवधारणा एवं प्रमुख साहित्यकार ।

इकाई–३

साहित्यशास्त्र

काव्य के लक्षण, काव्य हेतु और काव्य प्रयोजन।
प्रमुख संप्रदाय और सिद्धान्त – रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति और औचित्य ।
रस निष्पति, साधारणीकरण।
शब्दशक्ति, काव्यगुण, काव्य दोष
प्लेटो के काव्य सिद्धान्त।
अरस्तू : अनुकरण सिद्धान्त, त्रासदी विवेचन, विरेचन सिद्धान्त ।
वड्‌र्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धान्त।
कॉलरिज : कल्पना और फैंटेसी।
टी.एस. इलिएट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, परम्परा की अवधारणा।
आई.ए.रिचर्ड्‌स : मूल्य सिद्धान्त, संप्रेषण सिद्धान्त तथा काव्य–भाषा सिद्धान्त, रूसी रूपवाद, नयी समीक्षा, मिथक, फन्तासी, कल्पना, प्रतीक, बिम्ब ।

इकाई–४

वैचारिक पृष्ठभूमि

भारतीय नवजागरण और स्वाधीनता आन्दोलन की वैचारिक पृष्ठभूमि
हिन्दी नवजागरण, खड़ीबोली आन्दोलन। फोर्ट विलियम कॉलेज
भारतेन्दु और हिन्दी नवजागरण
महावीप्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण
गांधीवादी दर्शन
अम्बेडकर दर्शन
लोहिया दर्शन
मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकतावाद, अस्मिता विमर्श, (दलित, स्त्री, आदिवासी एवं अल्पसंख्यक)

इकाई–५

हिन्दी कविता

पृथ्वीराज रासो – रेवा तट ।

अमीर खुसरो – खुसरो की पहेलियाँ और मुकरियाँ ।

विद्यापति की पदावली (संपादक : डॉ. नरेन्द्र झा) – पद संख्या १–२५ ।

कबीर – (सं. हजारीप्रसाद द्विवेदी) – पद संख्या – १६०–२०९ ।

जायसी ग्रंथावली – (सं. रामचन्द्र शुक्ल) – नागमती वियोग खण्ड ।

सूरदास – भ्रमरगीत सार – (सं. रामचन्द्र शुक्ल) – पद संख्या २१ से ७० ।

तुलसीदास – रामचरितमानस, उत्तर काण्ड ।

बिहारी सतसई – (सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर) – दोहा संख्या १–५० ।

घनानन्द कवित्त – (सं. विश्वनाथ मिश्र) – कवित्त संख्या १–३० ।

मीरा – (सं. विश्वनाथ त्रिपाठी) – प्रारम्भ से २० पद

अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' – प्रियप्रवास ।

मैथिलीशरण गुप्त – भारत भारती, साकेत (नवम् सर्ग)

जयशंकर प्रसाद – आंसू, कामायनी (श्रद्धा, लज्जा, इड़ा) ।

निराला – जुही की कली, जागो फिर एक बार, सरोजस्मृति, राम की शक्तिपूजा, कुकुरमुत्ता, बाँधो न नाव
इस ठाँव बंधु ।

सुमित्रानंदन पंत – परिवर्तन, प्रथम रश्मि, द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र ।

महादेवी वर्मा – बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मैं नीर भरी दुख की बदली, फिर विकल है प्राण मेरे,
यह मन्दिर का दीप इसे नीरव जलने दो ।

रामधारी सिंह 'दिनकर'– उर्वशी (तृतीय अंक), रश्मिरथी

नागार्जुन – कालिदास, बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, खुरदरे पैर, शासन की बंदूक, मनुष्य हूँ।

सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय – कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, हरी घास पर क्षण भर, असाध्यवीणा, कितनी नावों में कितनी बार ।

भवानीप्रसाद मिश्र – गीत फरोश, सतपुड़ा के जंगल ।

मुक्तिबोध – भूल गलती, ब्रह्म राक्षस, अंधेरे में ।

धूमिल – नक्सलवाड़ी, मोचीराम, अकाल दर्शन, रोटी और संसद ।

इकाई–६

हिन्दी उपन्यास

पं. गौरीदत्त – देवरानी जेठानी की कहानियाँ ।

लाला श्रीनिवास दास – परीक्षा गुरु

प्रेमचन्द – गोदान ।

अज्ञेय – शेखर एक जीवनी (भाग–१)

हजारीप्रसाद द्विवेदी – बाणभट्ट की आत्मकथा ।

फणीश्वरनाथ 'रेणु' – मैला आंचल ।

यशपाल – झूठा सच ।

अमृतलाल नागर – मानस का हंस ।

भीष्म साहनी – तमस ।

श्रीलाल शुक्ल – राग दरबारी ।

कृष्णा सोबती – जिन्दगी नामा ।

मन्नू भंडारी – आपका बंटी ।

जगदीशचन्द्र – धरती धन न अपना ।

इकाई–७

हिन्दी कहानी

राजेन्द्रबाला घोष (बंग साहित्य) – चन्द्रदेव से मेरी बातें, दुलाईवाली ।

माधवराव सप्रे – एक टोकरी भर मिट्टी ।

सुभद्रकुमारी चौहान – राही ।

प्रेमचंद – ईदगाह, दुनिया का अनमोल रतन ।

राजा राधिकारमणप्रसाद सिंह – कानों में कंगना ।

चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' – उसने कहा था ।

जयशंकर प्रसाद – आकाशदीप ।

जैनेन्द्र – अपना–अपना भाग्य ।

फणीश्वरनाथ 'रेणु' – तीसरी कसम, लाल पान की बेगम ।

अज्ञेय – गैंग्रीन ।

शेखर जोशी – कोसी का घटवार ।

भीष्म साहनी – अमृतसर आ गया है, चीफ की दावत ।

कृष्णा सोबती – सिक्का बदल गया ।

हरिशंकर परसाई – इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर ।

ज्ञानरंजन – पिता ।

कमलेश्वर – राजा निरबंसिया ।

निर्मल वर्मा – परिंदे ।

इकाई–८

हिन्दी नाटक

भारतेन्दु – अंधेर नगरी, भारत दुर्दशा ।

जयशंकर प्रसाद – चन्द्रगुप्त, स्कंदगुप्त, ध्रुवस्वामिनी ।

धर्मवीर भारती – अंधा युग ।

लक्ष्मीनारायण लाल – सिंदूर की होली ।

मोहन राकेश – आधे–अधूरे, आषाढ़ का एक दिन ।

हबीब तनवीर – आगरा बाज़ार ।

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – बकरी ।

शंकरशेष – एक और द्रौणाचार्य ।

उपेन्द्रनाथ 'अश्क' – अंजो दीदी ।

मन्नू भंडारी – महाभोज ।

इकाई–९

हिन्दी निबंध

भारतेन्दु – दिल्ली दरबार, दर्पण, भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है ।
प्रताप नारायण मिश्र – शिवमूर्ति ।
बालकृष्ण भट्ट – शिवशंभु के चिट्ठे ।
रामचन्द्र शुक्ल – कविता क्या है ।
हजारप्रसाद द्विवेदी – नाखून क्यों बढ़ते हैं ।
विद्यानिवास मिश्र – मेरे राम का मुकुट भीग रहा है ।
अध्यापक राय – उत्तराफाल्गुनी के आस–पास ।
विवेकीराय – उठ जाग मुसाफिर ।
नामवर सिंह – संस्कृति और सौंदर्य ।

इकाई–१०

आत्मकथा, जीवन तथा अन्य गद्य विधाएँ

रामवृक्ष बेनीपुरी – माटी की मूरतें ।
महादेवी वर्मा – ठकुरी बाबा ।
तुलसीराम – मुर्दहिया ।
शिवरानी देवी – प्रेमचन्द घर में ।
मन्नू भंडारी – एक कहानी यह भी ।
विष्णु प्रभाकर – आवारा मसीहा ।
हरिवंशराय बच्चन – क्या भूलूँ क्या याद करूँ ।
रमणिका गुप्ता – आपहुदरी ।
हरिशंकर परसाई – भोलाराम का जीव ।
कृष्ण चन्दर – जामुन का पेड़ ।
दिनकर – संस्कृति के चार अध्याय ।
मुक्तिबोध – एक लेखक की डायरी ।
राहुल सांकृत्यायन – मेरी तिब्बत यात्रा ।
अज्ञेय – अरे यायावर रहेगा याद ।